एडजस्ट करने का मतलब - दूसरों के संस्कारों को समझना, स्वीकार करना और उसको अनुशासित करना

ब्र.कु. शिवानी बहन,जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

जैसे ही हम किसी के लिए गलत विचार रचते हैं तो अपने लिए भी एक गलत विचार रचते हैं। फिर हम एक-दूसरे से दूर होने लगते हैं और तब वो हमारी अच्छी सलाह भी नहीं सुनते। क्योंकि जब उन्होंने हम पर गलत का लेबल लगा दिया तो उन्हें हमारी हर बात गलत ही लगने वाली है।

हमारे विचार अलग हो सकते हैं, संस्कार अलग हो सकते हैं, लेकिन आधार में परस्पर-सम्मान ही होना चाहिए। अनुशासन भले यह कहे कि आपको समय के पहले आना है, लेकिन देरी से आने पर मैं आपकी अवमानना नहीं कर सकती। बच्चे का संस्कार अलग है इसका मतलब ये नहीं कि वो कुछ भी करे, कुछ भी खाए, कभी भी उठे, कभी भी सोए। एडजस्ट करने का मतलब है उसके संस्कार को समझते हुए, स्वीकारते हुए, उसको अनुशासित करना है। यह हम तभी कर सकेंगे, जब एक-दूसरे के समीप होंगे। लेकिन अगर हमने परस्पर-सम्मान का रिश्ता नहीं बनाया तो यह नहीं होगा।

संस्कार कितना भी भिन्न हो, उसको हमेशा भिन्न ही कहना। दोनों अपने-अपने नज़रिए से बिल्कुल सही हैं। हम एक-दूसरे के संस्कार को स्वीकार करते हैं तो एक-दूसरे के संस्कार को बदलने में भी मदद करेंगे। लेकिन दूसरे के संस्कार को बदलने के लिए पहले उनके मौजूदा संस्कार को स्वीकार करना होता है। इसका मतलब है पहले उनको अपने नज़दीक लाना पड़ेगा। अगर नकारा तो वो दूर चले जायेंगे।

किसी को झूठ बोलने की आदत हो सकती है, किसी को लेट आने की आदत हो सकती है, किसी को काम समय पर पूरा न करने की आदत हो सकती है। किसी की एक आदत ही लें, ज़्यादा लंबी लिस्ट नहीं बनाएं। अब अगला मंत्र अपने में यह जपें कि मैं उन्हें इसी रूप में स्वीकार करता हूँ या करती हूँ। इससे ये संस्कार बाहर ही रह जाएगा, आपके मन को वह मलिन नहीं करेगा।

संस्कार उनका है, व्यवहार उनका है, लेकिन इसके बाद वो आपके मन पर कुछ लेकर नहीं आएगा। उनके संस्कार में इतनी शक्ति नहीं है कि आपके मन को कष्ट दे।

आपके पास दो विकल्प हैं- या तो आप मुझे बोलो कि मैं बदलूं, और यह ज़रूरी नहीं है कि आपके बोलने के बाद मैं बदल जाऊंगी। मैं कह सकती हूँ कि मुझे इस तरह से जीने में कुछ गलत लगता नहीं।

या मैं कहूँ कि मैं आपके कहने पर क्यों चेंज करूं? या यह कि मैं बदलना चाहती हूँ, लेकिन मुझसे यह होता नहीं। यानी मैं उस संस्कार के परवश हूँ। तो ये सारा कुछ मेरे बारे में है। मेरा संस्कार, मेरे चयन, मेरा उनके अधीन होना, लेकिन आप इसे देख-देख कर अपने मन में हलचलें पैदा क्यों करो?

हमें याद रखना है कि हम सुबह व्हाइट सर्कल से निकलेंगे और रात को हमें व्हाइट सर्कल लेकर ही घर आना है वापस। जैसे अगर हम सुबह सफेद वस्त्र पहनते हैं तो उसे मैला होने से बचाना कठिन है। व्हाइट सर्कल के साथ भी ऐसा ही है। लेकिन थोड़ा-सा ध्यान रखना होता है। गहरे रंगों की पोशाक पहनी है तो कहीं भी बैठो, कुछ भी खाओ, कुछ फर्क नहीं पड़ता। लेकिन सफेद कपड़े वालों को खूब ख्याल रखना होता है।

आप अपना व्हाइट सर्कल, अपना आध्यात्मिक अभामण्डल लेकर सारा दिन दुनिया में गये, अलग-अलग संस्कार के लोग मिले। लेकिन अगर आप हरेक की मैल पकड़ते गए तो वो संस्कार उनकी मैल न रहकर आपकी हो जाएगी।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर मोमेंटो भेंट करते हुए साइंटिस्ट्स, इंजीनियर्स एंड आर्किटेक्ट विंग के चेयरपर्सन राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल,माउंट आबू व राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण,पानीपत। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,पानीपत क्षेत्रीय संचालिका, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,भिलाई,छ.ग., ब्र.कु. गिरिजा,माउंट आबू, ब्र.कु. पियूष एवं विंग के सभी सदस्य।

रामपुर-बुशहर(हि.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय लवी मेले में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का फूल भेंट कर स्वागत करने के पश्चात् चित्र में साथ हैं ब्र.कु. डोलमा, ब्र.कु. कृष्णा व ब्र.कु. रीना।

राजगीर-नालंदा(बिहार)। गरम कुंड,विश्यतन का भ्रमण कर सेवाकेन्द्र आगमन पर विधायक कौशल किशोर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित कर ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी,माउंट आबू। साथ हैं ब्र.कु. संगीता, ब्र.कु. अनुपमा, ब्र.कु. ज्योति एवं ब्र.कु. सुनीता।

चरखी दादरी-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता दीदी को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए उपायुक्त मनीष नागपाल, एडीसी,सीटीएम तथा नगर परिषद अध्यक्ष बख्शी सैन तथा अन्य।

कादमा-हरियाणा। गोपाष्टमी के अवसर पर श्री राधा कृष्ण गौशाला के वार्षिकोत्सव में ब्र.कु. वसुधा दीदी व ब्र.कु. ज्योति को सम्मानित करते हुए अध्यक्ष मेघराज, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, सतवीर शर्मा व अन्य पदाधिकारीगण।

बेरिया-उ.प्र.। सेवाकेन्द्र के वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में महामंडलेश्वर श्री रामबालक दास शास्त्री, साध्वी पूनम दास जी, साईं बाबा मंदिर के महंत श्री अमरनाथ त्रिपाठी, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. समता तथा अन्य।

अम्बाला सिटी-हरियाणा। 'संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दिव्या, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. मदन, जीआर शर्मा,सीनियर सिटीजन वेलफेयर संस्था के प्रधान, नरेश चोपड़ा,रिटायर्ड इंजीनियर संगठन के प्रधान, मुंजाल जी,तुलसी ग्रुप, सुरेंद्र अरोड़ा,जिला प्रधान योग संस्थान, अजायब सिंह,पंजाब पेंशनर एसोसिएशन, पंजाबी सिंगर व गीतकार ओम प्रकाश,पठानकोट उपस्थित रही।

उन्नाव-उ.प्र.। नंदनवन के सभागार में जिला प्रशासन एवं उन्नाव जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित 'जीवन में उत्कृष्टता हेतु मूल्य-आधारित शिक्षा' विषय पर सात दिवसीय सेमिनार के दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में कृतिराज,आईएएस,जिला मुख्य विकास अधिकारी, सुनील दत्त,डिआईओएस,जिला विद्यालय निरीक्षक, शैलेंद्र कुमार पांडे,बिएसए,बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य वक्ता ब्र.कु. प्रो. ओंकार चंद,माउंट आबू, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम व नंदनवन प्रबंधक ब्र.कु. रामपाल उपस्थित रहे।

दिल्ली-गाजीपुर। एनुअल डे पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक संजीव शर्मा, बीबीएसएस स्कूल के प्रिंसीपल संदीप शर्मा व महिला अध्यक्षा प्रीति चंद्रा राय को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा दीदी। साथ हैं अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

सम्पादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414172087

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720

Website: www.omshantimedia.org